अहमदाबाद में दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में भारत ने शनिवार को चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को 117 गेंद शेष रहते सात विकेट से रौंद कर आई.सी.सी. वर्ल्ड कप की अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया। मैच में भारत के गेंदबाजी आक्रमण के समक्ष पाकिस्तान ने हथियार डाल दिये और पूरी टीम 42.5 ओवर में 191 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। बाद में लक्ष्य का पीछा करने उतरे कप्तान रोहित शर्मा ने 86 रनों की तेजतर्रार पारी में लगातार चौके और छक्के जमाकर पाकिस्तान के हौंसले और पस्त कर दिये, जिसके चलते भारत ने विजय लक्ष्य को 30.3 ओवर में ही तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। क्रिकेट वर्ल्ड कप इतिहास में भारत की यह आठवीं जीत है। मैच में रोहित शर्मा ने लाजवाब कप्तानी की और अपनी रणनीति से पाकिस्तान पर दबाव बनाने में कामयाब रहे। भारतीय गेंदबाजी के आक्रमण के समक्ष पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह एक के बाद एक ढह गया। कप्तान रोहित शर्मा व अन्य बल्लेबाजों ने विश्व कप के लिये उपयोगी स्ट्राइक रेट को ध्यान में रखते हुये आक्रामक बल्लेबाजी की और जीत को बेहद आसान बना दिया। रोहित शर्मा पूरी लय में नज़र आये और मात्र 63 गेंदों की पारी में आसमानी छः छक्के और छः चौके जड़े। गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को मैन ऑफ मैच चुना गया।

कास्ट सर्वे को ज्वलंत मुद्दा बनाए रखने के लिए नीतीश ने शुरु की ''कर्पूरी चर्चा''

''चाय पे चर्चा'' की तर्ज पर बिहार में शुरु हुए इस अभियान में अति पिछड़े वर्गों को कास्ट रिपोर्ट के बारे में बताया जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। प्रधानमंत्री मोदी की पुरानी प्रचार मुहिम ''चाय पे चर्चा'' की थीम उठाते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनावों तक के लिए राज्य के जाति सर्वे की रिपोर्ट को जीवन्त बनाए रखने के लिए अन्यन्त पिछड़ी जातियों के साथ विचार विमर्श करने के लिए पूरे राज्य में सात टीमें भेजकर ''कर्पूरी चर्चा'' शुरु की है।

- **इसके लिए सात टीमें बनाई गई हैं जो राज्य भर में घूम-घूम कर जनता को कास्ट सर्वे रिपोर्ट के बारे में जागरुक करेंगी। हरेक टीम में जद (यू) के एक सर्वश्रेष्ठ वक्ता को लिया गया है।**
- **पिछड़ी जाति के नेता कर्पूरी ठाकुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री थे तथा देश भर में उन्हें सोशल इंजीनियरिंग का मास्टर माना जाता है।**
- **24 जनवरी, कर्पूरी ठाकुर की जन्मशती पर पटना में एक विशाल राजनैतिक कार्यक्रम भी होगा।**

बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके कर्पूरी ठाकुर को देशभर में सोशल इंजीनियरिंग के मसीहा के रुप में जाना जाता है। बिहार में सत्तारुढ़ जनता दल (यू) कर्पूरी ठाकुर को ''भारत रत्न'' ना दिए जाने को लेकर केन्द्र की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेगी।

उक्त सात टीमों में जद (यू) के सात सर्वश्रेष्ठ वक्ता शामिल हैं जो जातिगत सर्वे रिपोर्ट की आवश्यकता के बारे में जनता को जागरुक करेंगे।

विधान परिषद के सदस्य एवं कार्यक्रम के समन्वयक रविन्द्र सिंह ने बताया कि अब तक 63 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में यह चर्चा हो चुकी है और पार्टी आगामी 24 जनवरी को कर्पूरी ठाकुर की जन्मशती पर पटना में एक बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करने से पूर्व सभी 243 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में यह चर्चा करेगी।

वक्ताओं से कहा गया है कि वे मोस्ट बैकवर्ड क्लासेस (एम.बी.सीज़) को उनके राजनीतिक रुप से और सशक्त होने की आवश्यकता पर जोर दें।

जद (यू) ने अपनी ''भीम संसद'' के माध्यम से राज्यभर में दलितों तक पहुंच सुनिश्चित करना भी शुरु कर दिया है।

सियाचिन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर एक मोबाइल टावर एवं एक बेस ट्रांसारवर स्टेशन स्थाति किया है। सिचाचिन ग्लेशिया विश्व का सबसे ऊंचा रन क्षेत्र है। टावर का 6 अक्टूबर को उद्घाटन हुआ और इससे 15000 फीट की ऊंचाई पर तैनात सैनिकों को मोबाइल कनैक्टिविटी मिल सकेगी। यहां तापमान शून्य से भी 30 से 40 डिग्री कम होता है तथा यहां भारत पाक के बीच संघर्ष बना रहता है, इन हालात में यह मोबाइल टावर लगाना शानदार उपलब्धि है। बेस ट्रांसाइवर एक रडियो ट्रासांइवर है, जो मोबाइल को सैलुलर नेटवर्क से जोड़ता है। यह मोबाइल को रेडियो संकेत भेजकर उन्हें डिजीटल संकेत में बदल देता है जो इसे नेटवर्क या इन्टरनैट से जुड़े अन्य मोबाइल फोन में जाते हैं।

पंजाब में कांग्रेस छोड़ने वाले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और रिणवा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया। जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू ने पार्टी की अनुशासन समिति द्वारा उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के एक दिन बाद गुरुवार को अकाली दल से इस्तीफा दे दिया था।

देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राज वारिंग ने कहा, ''पंजाब के कई नेताओं ने कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की है जिनमें शामिल हैं पूर्व कैबिनेट मंत्री बलबीर सिद्धू जी और गुरप्रीत कानगर जी, पूर्व विधायक राजकुमार वेरका, मोहिंदर रिणवाजी, हंसराज जोसान जी और जीत मोहिंदर सिद्धू जी। उन्हें औपचारिक रूप से पंजाब में पार्टी में शामिल किया जाएगा।

जीत मोहिंदर ने सबसे पहले निर्दलीय के रूप में तलवंडी साबो सीट जीती थी और बाद में कांग्रेस में शामिल होकर 2007 और 2012 के चुनावब उनके टिकट पर जीते। वे 2014 में कांग्रेस विधायक के रूप में इस्तीफा देकर अकाली दल में शामिल हो गए और उसी वर्ष बाद में हुए उपचुनाव में चौथी जीत हासिल की। लेकिन 2017 और 2022 के चुनावों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

तीन बार के विधायक और अमृतसर के प्रमुख दलित नेता नेर्मा ने कहा, ''मैं भाजपा छोड़ रहा हूँ। मुझे समझ में आ गया है कि केवल कांग्रेस देश को एकजुट रख सकती है। भाजपा लोगों का विश्वास गंवा चुकी है। पंजाब में भावनाएं स्पष्ट रूप से भाजपा के खिलाफ है। किसान उसका विश्वास नहीं करते। पार्टी अपने नारे सबका साथ, सबका विकास पर भी कायम नहीं रही है।

एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि यह घर वापसी है।

जब उनसे पूछा गया कि उनके यह कदम उठाने का कारण क्या है तो भाजपा की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष रहे वेर्का ने तल्खी से उत्तर दिया, ''कुछ तो मजबूरियां रही होगी, यूं ही कोई बेबफा नहीं होता।''

वेर्का ने कहा, ''पूरा देश देख रहा है कि देश केवल कांग्रेस पार्टी के हाथों में सुरक्षित है और यदि कोई पार्टी सभी वर्गों, सभी धर्मों के साथ लेकर चल सकती है तो वह कांग्रेस है।''

उन्होंने कहा, ''मेरा चुनाव क्षेत्र और पंजाब के लोग चाहते हैं कि मैं कांग्रेस में लौट जाऊं जो धर्मनिरपेक्ष ही पिछले कुछ समय में भाजपा की किसी बैठक में नहीं गया हूं। कार्य संस्कृति का फर्क है। इसके अलावा मेरी तीन पीढ़िया कांग्रेस में नहीं हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट हुई तस्वीरों में वेर्का को 29 सितंबर का अमृतसर में हुई बैठक में अमित शाह के साथ देखा गया। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ भी मौजूद थे। वेर्का ने यह पुष्टि करने से इंकार कर दिया कि वे इस माह के पूर्व में दो रात अमृतसर रूकते समय कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिले थे। उन्होंने कहा, ''मैं इस पर कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन इतना कह सकता हूं कि मैंने हाईकमान से बात की है।''

वेर्का ने पहला चुनाव 2002 में वेर्का से ही जीता था। 2007 में हारने के बाद वे 2012 और 2017 में अमृतसर पश्चिम सीट से जीते। कैप्टन अमरिंदर सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें पंजाब राज्य भंडारण निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वे 2021 में चरणजीत चन्नी की सरकार में मंत्री बने। भाजपा से कांग्रेस में लौटने वाले एक और पूर्व मंत्री हैं बलबीर सिंह सिद्धू जिन्होंने कहा कि उन्होंने यह निर्णय कार्य संस्कृति में अंतर के कारण लिया है।

2022 में भाजपा में शामिल होने से पहले मंत्रिमंडल से हटाए जाने के कारण बलबीर सिद्धू संवाददाता सम्मेलन में रो पड़े, क्योंकि कांग्रेस ने 2021 में अमरिंदर सिंह हो हटाकर चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था।

गत वर्ष ही भगवा पार्टी में शामिल होने वाले पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने तीन बड़े नेताओं के कांग्रेस में लौटने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मीडिया से कहा कि उन्हें तो इसकी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, ''यह बहुत दुर्गाग्यपूर्ण है। मैं इसकी पूरी जिम्मेवारी लेता हूँ। हम उन कमियों का परीक्षण करेंगे जिसके कारण यह हुआ।

कांग्रेस के पूर्व नेताओं के शिरोदली अकाली दल से पुरानी पार्टी में लौटने और दल की लगातार गिरावट भाजपा के लिए सदमा है क्योंकि पार्टी लंबे समय से राज्य में स्वतंत्र से पैर जमाना चाहती है। इस घटनाक्रम से कांग्रेस को आम आदमी पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे में सौदेबाजी करने में सुविधा रहेगी।

'राजस्थान हाईकोर्ट की तरह सभी न्यायपालिकाओं को समय और नई तकनीक के हिसाब से बदलना चाहिए'

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) डी.वाय. चंद्रचूड़ ने राजस्थान हाईकोर्ट के प्लैटिनम जुबली वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर जयपुर में आयोजित समारोह को संबोधित किया

जयपुर, 14 अक्टूबर (का.सं.)। चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि, देश बहुत तेजी से बदल रहा है और तकनीक का व्यापक स्तर पर उपयोग हो रहा है। ऐसे में न्यायपालिका को भी वक्त के साथ बदलना चाहिए। हमें नई तकनीक के इस्तेमाल को लेकर हिचक नहीं होनी चाहिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक जगह बैठा हुआ वकील देश की किसी भी अदालत में पैरवी कर सकता है। आज लिफ्टमैन, ड्राइवर की संतान सीए, कंप्यूटर इंजीनियर और चिकित्सक हैं। यह भारत के बदलाव का नया चेहरा है। उन्होंने आर.टी.आई. कानून के लिए किए गए आंदोलन का हवाला देते हुए कहा कि इसके कारण ही पारदर्शिता का कानून लागू हो पाया है। सीजे चन्द्रचूड शनिवार को राजस्थान हाईकोर्ट की स्थापना को लेकर आयोजित प्लेटिनम जुबली समारोह में संबोधित कर रहे थे।

- **सी.जे.आई. ने न्यायपालिका में कोविड के दौरान बदलाव का हवाला देते हुए कहा कि, इस दौरान राजस्थान हाईकोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रैन्सिंग के जरिए देशभर में सबसे ज्यादा केसों की सुनवाई की। उन्होंने राजस्थान के जिला न्यायालयों में महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या में बढ़ोतरी की तारीफ करते हुए कहा कि, प्रदेश के 1344 न्यायिक अफसरों में से 562 महिला न्यायिक अफसर हैं।**

उन्होंने प्रदेश की न्यायपालिका में कोविड के दौरान आए बदलाव का हवाला देते हुए कहा कि इस दौरान राजस्थान हाईकोर्ट ने वीसी के जरिए देशभर में ज्यादा केसों की सुनवाई की। वहीं उन्होंने राजस्थान के जिला न्यायालयों में महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या में बढ़ोतरी की तारीफ करते हुए कहा कि प्रदेश के 1344 न्यायिक अफसरों में से 562 महिला न्यायिक अफसर हैं। इसके अलावा वर्ष 2021 की न्यायिक अफसर भर्ती में चयनित 120 न्यायिक अफसरों में से 71 महिलाएं हैं। हालांकि उन्होंने हाईकोर्ट में वकील कोटे से केवल दो महिला जजों की नियुक्ति होने पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि वकालत के पेशे में महिलाओं को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रायल कोर्ट को अधीनस्थ अदालत कहने के बजाए जिला न्यायालय कहना चाहिए। उन्होंने जोधपुर मुख्यपीठ व जयपुर पीठ में वीसी के जरिए एक ही केस की सुनवाई दो जजों द्वारा एक साथ करने की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह तकनीक के उपयोग का अच्छा उदाहरण है।

पेपर लैस कोर्ट व टेलीग्राम चैनल लांच- समारोह के दौरान सी.जे.आई. ने हाईकोर्ट और जयपुर की कमर्शियल कोर्ट को पेपर लैस करने की लांचिंग की। इसके अलावा वकीलों व पक्षकारों को सूचनाएं मुहैया कराए जाने के लिए टेलीग्राम चैनल भी लांच किया गया। वहीं प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन के लिए लोगो एंड मोटो भी लांच किया गया।

इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस रविन्द्र भट्ट ने कहा कि यह प्रदेश दुनिया के 133 देशों से बडा है। यहां कि अपनी समस्याएं हैं। यहां कुल 353 कोर्ट कॉम्पलेक्स हैं, जिनमें संसाधनों की पहुंच बनाना कठिन हैं। इसके बावजूद भी यहां शानदार काम हो रहा है। उन्होंने सांगानेर खुली जेल की तरह अन्य राज्यों में भी खुली जेल खोले जाने की आवश्यकता की बात कही। वहीं सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि 75 साल की उम्र में व्यक्ति अपने अनुभव नई पीढी से साझा करता है। हाईकोर्ट भी अब इस उम्र में आ गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पंकज मित्थल ने कहा कि यह वह प्रदेश हैं, जहां चेतक के रूप में घोड़े की स्वामिभक्ति की पूजा की जाती है। आज न्यायपालिका का भारतीयकरण किया जा रहा है। दिसंबर माह तक सुप्रीम कोर्ट के 35 हजार फैसलों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा। वहीं भारतीयकरण के तहत सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की साडी में प्रतिमा दर्शाई गई है। जिसके हाथ में तलवार और तराजू ना होकर संविधान की पुस्तक को दिखाया गया है। जरूरत है कि इसके साथ ही गीता की पुस्तक भी दिखाई जाए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी ने कहा कि जयपुर में हाईकोर्ट की स्थापना को लेकर जोधपुर के वकीलों का माह के अंतिम दिन न्यायिक बहिष्कार करना उचित नहीं है।

भारत और श्रीलंका के बीच पहली बार यात्री नौका परिवहन सेवा शुरु

नई दिल्ली/चेन्नई, 14 अक्टूबर (वार्ता)। भारत एवं श्रीलंका के बीच तमिलनाडु के नागपट्टिनम से श्रीलंका के उत्तरी प्रांत जाफना के पास कांकेसंथुराई तक यात्री नौका सेवा शनिवार से प्रारंभ हो गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्रीय राजधानी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस सेवा की शुरुआत की। नौका तमिलनाडु के नागापट्टिनम बंदरगाह से द्वीप राष्ट्र श्रीलंका में कांकेसंथुरई के लिए रवाना हुई। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका संस्कृति, वाणिज्य और सभ्यता का गहरा इतिहास साझा करते हैं और अब दोनों में आर्थिक साझेदारी भी बढ़ेगी। नौका सेवा नागापट्टिनम और कांकेसंतुराई के बीच शुरू की गई है।

मोदी ने कहा, इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपके साथ जुड़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हम भारत और श्रीलंका के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। तमिलनाडु के नागापट्टिनम और लंका के कांकेसंतुराई के बीच नौका सेवा का शुभारंभ किया जा रहा है। हमारे संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

'बेरोजगारी, छात्र आत्महत्या, परीक्षा घोटाले मध्यप्रदेश में चरम पर हैं'

- **कांग्रेस ने कहा कि, मध्यप्रदेश में घोटालों की भी एक पूरी कड़ी है, जैसे- व्यापम घोटाला, पटवारी भर्ती घोटाला, नर्सिंग घोटाला आदि। ऐसे कई घोटाले सामने आए हैं।**

नयी दिल्ली, 14 अक्टूबर (वार्ता) कांग्रेस ने शनिवार कहा कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 18 वर्ष के शासन में बेरोजगारी चरम पर है, भर्ती घोटाले हो रहे हैं और छात्र आत्महत्या जैसे जघन्य कदम उठाने को मजबूर हैं इसलिए प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और सरकार बनाने के बाद कांग्रेस लोगों की भावनाओं पर खरी उतरेगी।

महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष शोभा ओझा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मध्य प्रदेश में आए दिन परीक्षा जैसे घोटाले आए दिन हो रहे हैं और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार ने युवाओं की कमर तोड़ कर रख दी है।

उन्होंने कहा, ''मध्य प्रदेश में भाजपा ने रोजगार के नाम पर केवल घोटाले किए हैं। राज्य के लोगों ने पिछले 18 साल में भयानक बेरोजगारी, छात्रों की आत्महत्याओं और घोटालों का शर्मनाक युग देखा है। राज्य में भाजपा के संरक्षण में तमाम माफिया फलते-फूलते रहें, इस कारण सरकारी नौकरियां घोटालों के भेंट चढ़ गई।''

ओझा ने कहा, ''मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहां पिछले 18 वर्ष में निवेश के नाम पर कुछ भी नहीं हुआ है। ग्लोबल इन्वेस्टर मीट जैसे इवेंट्स में करोड़ो रुपए पानी की तरह बहाया गया लेकिन निवेश के नाम पर कुछ नहीं आया। मध्य प्रदेश का युवा केवल सरकारी नौकरी नहीं बल्कि प्राइवेट नौकरी से भी वंचित रहा।

युवक कांग्रेस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यालय में सोशल मीडिया प्रबंधन है। यह लगभग ढाई करोड़ रूपए का ठेका हैं और सिंह देव मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बघेल को हराना चाहते हैं। कुल मिलाकर कांग्रेस के नेता घरेलू प्रतिभाओं का उपयोग करने में विश्वास करते हैं बजाय करदाताओं का पैसा बाहरी लोगों को देने के।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **230 सदस्यीय विधानसभा में 200 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए जा सकते हैं। श्राद्ध पक्ष की वजह से अभी तक लिस्ट घोषित नहीं हुई थी।**

लिस्ट सार्वजनिक हो जाएगी। इसमं 60 सीटों के लिए शुक्रवार को चयनित उम्मीदवार भी शामिल है, जबकि पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने इस सप्ताह की शुरुआत में अन्य नामों को फायनल कर लिया था।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि रविवार को जारी की जाने वाली पहली लिस्ट में उन 66 सीटों के लिए भी प्रत्याशी शामिल होंगे, जहां पार्टी लगातार हारती रही है। अन्य घोषित नामों में वे सीटें होंगी जहां समझौता है, जबकि जिन सीटों पर दो या अधिक दावेदार हैं, उन्हें स्क्रीनिंग कमेटी के पास भेजा जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ अधिकांश सीटों पर सर्वानुमति चाहते हैं, यद्यपि कमलनाथ द्वारा करवाए गए सर्वे में उनके समर्थकों के नाम जुड़वाने से पार्टी में कलह हो रही है। इसको लेकर दिग्विजय सिंह सबसे अधिक खफा थे। वह सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी (सी.ई.सी.) की मीटिंग से बाहर आ गए और अपना विरोध दर्ज करवाने के लिए भोपाल लौट गए।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के लिए कुछ प्रत्याशियों के नाम सी.ई.सी. द्वारा स्वीकृत किए हैं, उन्हें भी रविवार को सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

सूत्रों ने भाजपा के इस दावे को खारिज करते हुए कि, मतभेदों के कारण कांग्रेस की लिस्ट जारी किए जाने में विलम्ब हो रहा है, कहा कि कांग्रेस की यह परम्परा रही है कि वह अशुभ माने जाने वाले समय के दौरान प्रत्याशियों के नामों की घोषणा नहीं करती है।

गर्भ निरोधक गोली ने महिलाओं के करियर को नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

औपचारिक तर्कों से कोई बौद्धिक संरचना खड़ी नहीं की। इसके कारणों का पता लगाने के लिए वो इकोनॉमिक हिस्ट्री में गहराई तक गईं। उनके अभिलेखीय अनुसंधान व इतिहास के अध्ययन ने गुप्तचरों का काम किया। उनके पति ने कहा कि, जहाँ सब लोग हार मान लेते हैं उसके आगे इतिहास के तथ्यों को ढूंढ निकालने की उनकी पत्नी की क्षमता अद्वितीय है।

क्लॉडिया ने अपने रिसर्च सुपरवाइज़र रॉबर्ट फॉगल का रास्ता अपनाया, जिन्होंने इकोनॉमिक्स में ऐतिहासिक प्रणाली के उपयोग का तरीका विकसित किया था। उस समय तक, इकोनॉमिक हिस्ट्री का मतलब होता था राष्ट्रों के विकास की कहानी।

इसके अलावा, इतिहासकारों ने नि:संदेह ऐसे विद्धतापूर्ण अनुसंधान किए हैं, जिनमें इन तथ्यों को समझने का प्रयास किया गया कि, क्यों कुछ देश जबरदस्त विकास करते हैं, उन देशों की तुलना में, जो संसाधन और परिस्थितियां समान होने के बावजूद पीछे रहते हैं।

लेकिन गोल्डिन की समझ बिल्कुल अलग थी। उन्हें सहज रुप से यह समझ आ गया कि, लेबर मार्केट व नौकरी के क्षेत्र में महिला की भागीदारी तय करने में गर्भनिरोधक गोली एक महत्वपूर्ण कारक है। फिर भी, वह अपनी अवधारणा को प्रभावित करने वाले कारकों का एक ठोस प्रमाण चाहती थीं। आइए इसे सरल अर्थों में समझने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक गोली की उपलब्धता का पता लगाने के बारे में सोचा। अमेरिका के कई राज्यों में महिलाओं को गर्भनिरोधक गोली कानूनन उपलब्ध नहीं थी। इस संदर्भ में जब बदलाव आने शुरु हुए तो उन्होंने पाया कि, जिन राज्यों में ये गोलियाँ आसानी से उपलब्ध थीं, वहां नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत अधिक थी।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि, जिन राज्यों में यह गोली आसानी से उपलब्ध नहीं थी उनकी तुलना में उन उदार राज्यों में, जहां इसकी उपलब्धता थी, महिलाओं के करियर की स्थिति गुणात्मक रुप से बेहतर थी। आगे के वर्षों में उन्होंने महिलाओं की तनख्वाह में अंतर एवं उनके रोजगार के स्तर के ऐतिहासिक तथ्यों का अध्ययन किया और इस निष्कर्ष पर पहुंचीं कि गर्भनिरोधक गोली इस मामले में महत्वपूर्ण है। इस निष्कर्ष पर पहुँचकर उन्होंने गोली की उपलब्धता के प्रभाव तथा महिलाओं के करियर ग्राफ को अलग करने की कोशिश की। वैसे ही जैसे, किसी लैब में कोई अध्ययन किया जाता है।

गोली की उपलब्धता ने महिलाओं को अपने करियर को लेकर होने वाली उम्मीदों में बदलाव ला दिया। जहां गोली की उपलब्धता थी, वहां महिलाएं एक दीर्घ और अधिक वेतन वाले करियर की आशावादी योजना बनाने के बारे में सोच सकती थीं, और साथ ही साथ भविष्य में परिवार और बच्चों की उम्मीद कर सकती थीं। इस तरह से वे किसी विधि पाठ्यक्रम या मैडिसिन डिग्री के लिए कुछ और वर्ष मेहनत करने का निर्णय ले सकती थीं, जो कि गोली के अभाव में संभव नहीं हो पाता।

शादी और बच्चे पैदा करने का निर्णय कुछ समय के लिए स्थागित कर महिलाएं वर्तमान में अपने करियर पर ध्यान दे सकती हैं। क्लॉडिया ने इस संदर्भ में उदाहरण दिए। ''एक औरत के बारे में सोचिए जो अपने पति जितनी ही कुशाग्र है। वे दोनों ही किसी लॉ फर्म का हिस्सा बन कर आगे कुछ और वर्षों तक काम कर सकते थे और महिला को अपने पति की तरह ही ऊंचे वेतन वाली नौकरी मिल सकती थी। यह सब कुछ गोली की वजह से ही संभव हो सका, अन्यथा कॉलेज में बायफ्रैण्ड होने का मतलब होता, कि काफी पहले ही उसका घर बस चुका होता।

अब क्लॉडिया गोल्डिन की एक अन्य परिकल्पना, ग्रीडी जॉब्स'' की बात करते हैं। जैण्डर पे गैप्स को स्पष्ट करने के लिए एक युगल जो कि समान रुप से कुशाग्र है, लॉ फर्म या मैडिसिन सैक्टर जैसे किसी सर्विस सैक्टर या कन्सलटैंसी फर्म का कोई उच्च वेतन का जॉब करने लगता है। फिर एक समय ऐसा आता है, जब उन्हें यह आभास होता है कि बच्चों के पालन-पोषण के कारण दोनों जने उच्च वेतन वाली नौकरी को अपना पूरा समय नहीं दे सकते, अत: दोनों में से एक को बच्चों की देखभाल के लिए ऐसी नौकरी करनी पड़ेगी जिसमें समय कम देना पड़े।

ऐसा इस कारण से होता है क्योंकि उच्च वेतन वाली कई नौकरियों में, वेतन का संबंध ऑफिस में या काम के लिए बिताए गए समय से होता है। अत: यदि कोई कम मेहनत वाला जॉब करने का निर्णय लेता है तो उसे अपने करियर में अच्छे वेतन को लेकर परेशान होना पड़ेगा। युगल में से एक को उच्च वेतन या अधिक समय लेने वाली नौकरी में रहना होगा, जबकि दूसरा यह विकल्प छोड़ सकता है। गोल्डिन ने इन जॉब्स को ''ग्रीडी जॉब्स'' की संज्ञा दी। नियोक्ता के लिए कम वेतन देना कोई भेदभाव नहीं, बल्कि कर्मचारी के विकल्प का परिणाम है। गोल्डिन के निष्कर्ष उन पहलुओं के ऐतिहासिक डेटा और अभिलेखिय कार्य पर जीवनभर समर्पित किए गए समय का परिणाम हैं, जो शुरुआत में स्पष्ट नहीं थे। उन्होंने महिला रोजगार का क्रमिक अध्ययन कर उसके गति विज्ञान का पता लगाया। उन्होंने महिला रोजगार के बारे में अपना प्रसिद्ध ''यू'' कर्व प्रतिपादित किया।

उत्पादन की संरचना में बदलाव आने के कारण ही ''यू'' घटित हुआ। उन्होंने औद्योगिक क्रांति के बाद रोजगार में आई कमी और महिलाओं की भागीदारी के बारे में बताया। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि, औद्योगिक संरचना के बाद उत्पादन की इकाईयां घरों से बड़े औद्योगिक क्षेत्रों की ओर शिफ्ट हो गईं। महिलाएं घरों में रहकर उत्पादन और कारोबार दोनों में अपनी भागीदारी बखूबी निभा सकती थीं, लेकिन उत्पादन के साधनों के अन्यंत्र शिफ्ट होने पर वे ऐसा नहीं कर सकीं।

गोल्डिन ने महिला रोजगार पर किए गए अपने गूढ़ अध्ययन में उन क्रमों के बारे में जानकारी जुटाई जिनमें महिला रोजगार की स्थिति में तुलनात्मक वृद्धि हुई थी।

हमारे विकास के वर्तमान चरण में क्लॉडिया गोल्डिन का काम विशेष प्रासंगिकता रखता है। शीघ्र ही, भारत में कामकाजी उम्र की बड़ी आबादी होने की सुखद स्थिति खत्म हो जाएगी। तब जॉब मार्केट में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के कारण, उच्च गुणवत्ता वाले क्षेत्रों में जहाँ कुशल प्रतिभा की ज़रुरत होगी, भारत की अधिक से अधिक महिलाओं को काम करने के लिए आगे आना चाहिए।

भारत के नीति निर्माताओं के लिए, महिलाओं को उनके सुरक्षित स्थानों से बाहर लाने और देश के विकास में भाग लेने के लिए प्रेरित करने में, क्लॉडिया गोल्डिन का यह ज्ञान बहुमूल्य होगा।

सैन्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आमने-सामने विचार-विमर्श होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 18 अक्टूबर को सम्मेलन में शामिल होंगे। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ अनिल चौहान, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल मनोज पांडे, एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी जो चीफ ऑफ एयर स्टाफ हैं, सम्मेलन को संबोधित करेंगे। भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार अजय सूद ''राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए टैक्नॉलजी का लाभ उठाने पर'' भाषण देंगे।

सर्वोच्च नेतृत्व भारतीय सेना की तैयारी की समीक्षा करेगा तथा मौजूदा सुरक्षा परिक्षणों पर चर्चा करेगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908